

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 29, हिजकिय्याह, मनश्शे, योशियाह और यहूदा के राजा

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, मुझे उम्मीद है कि आप सभी ने पुनरुत्थान दिवस का आनंद लिया होगा। मुझे उम्मीद है कि आप वापस आकर खुश होंगे। क्या है? क्या कक्षा के तीन सप्ताह बचे हैं या ऐसा कुछ? थोड़ा डरावना, थोड़ा डरावना।

अगर आपको इस घोषणा में अतिरिक्त शब्दाडंबर कुछ हद तक विचलित करने वाला लगता है, तो जरा सोचें कि इसे हर समय सुनना कैसा होगा। मैंने इसे एक छोटे से सूक्ष्म जगत में समझाने की कोशिश की है। लाइक कोई फिलर नहीं है, लाइक कोई अल्पविराम नहीं है, और लाइक कोई उद्धरण चिह्न नहीं है।

क्या तुम्हें पता है? वैसे भी, यह मेरा शौक का घोड़ा या साबुन का डिब्बा या जो भी हो, दिन के लिए है। टेड, क्या यह अभी भी थोड़ा ज़्यादा तेज़ है? यह मुझे चौंका रहा है क्योंकि इसमें कुछ प्रतिध्वनि है। नीचे एक? हाँ।

कभी-कभी मैं अपने साबुन के डिब्बे में चढ़ जाता हूँ और कुछ ऐसा करता हूँ जो मुझे पसंद हो। आज के लिए यह है। खैर, आपका फिर से स्वागत है।

यह वास्तव में एकमात्र घोषणा है, इसलिए इसे कुछ घोषणाओं की तरह नहीं कहा जाना चाहिए था। इसे एक घोषणा की तरह कहा जाना चाहिए था। आप में से अधिकांश लोगों को अब तक अपने कागजात वापस मिल जाने चाहिए थे।

अतीत में, मेरे पास कुछ लोग थे जिन्होंने अनुलग्नक के रूप में पेपर वापस प्राप्त किया था, लेकिन किसी कारण से गुब्बारे नहीं पढ़ पाए। वहाँ एक टिप्पणी है, और पढ़ने के लिए कुछ भी नहीं है। यदि आप उस स्थिति में हैं, तो कृपया मुझे बताएं, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप मेरी टिप्पणियाँ पढ़ें।

आखिरकार, मैंने उन्हें अपने स्वास्थ्य के लिए वहाँ नहीं रखा था। तो, किसी भी हालत में, यही बात है। हमें गाना चाहिए, या कम से कम मुझे पता है कि आप किस कोरस में हैं।

क्या हम मिलकर प्रार्थना करेंगे?

दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, अनमोल उद्धारक, और सत्य की सबसे पवित्र आत्मा, जैसा कि हमने ईस्टर, पुनरुत्थान दिवस को एक साथ मनाया है, अपनी आत्मा के द्वारा हमें मन में रखने और अपने दिलों में पुनरुत्थान की शक्ति की सच्चाई को बनाए रखने में मदद करें ताकि हम

बदल सकें। हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि हमारे जीवन और दिल वास्तव में बदल जाएँ और बदल जाएँ। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन चीजों को दूर कर दें जो आपको नापसंद हैं।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन लोगों को प्रोत्साहित करें जो आपको खोजने के लिए इतने लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं, ताकि वे आपके करीब आ सकें। हम इन दिनों में एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं जो बहुत तनाव से भरे हुए हैं, प्रभु। हम प्रार्थना करते हैं कि हम अपनी आँखें आप पर और आपके बच्चों के रूप में अपने स्थान पर केंद्रित रखें।

हम साहसपूर्वक प्रार्थना करेंगे कि आप हमें सिखाने के लिए अपने वचन का उपयोग करें। हम ब्रह्मांड के स्वामी के रूप में आपसे यह भी साहसपूर्वक प्रार्थना करेंगे कि आप दुनिया भर में अपने लोगों के साथ रहें, जिनका जीवन किसी भी कारण से खतरे में है। कृपया उन्हें सांत्वना, प्रोत्साहन, सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करें।

पिता, हम ये बातें कृतज्ञतापूर्वक मांगेंगे और फिर प्रार्थना करेंगे कि आप इस दिन हमारे साथ रहें जब हम एक साथ अध्ययन करेंगे और एक साथ सीखेंगे। हम मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ प्रार्थना करते हैं। आमीन।

खैर, हमें बस एक मिनट में समीक्षा करनी होगी क्योंकि हमें साथ आए हुए एक सप्ताह हो गया है। हम विभाजित राज्य का अध्ययन कर रहे हैं। मेरे पास यहाँ एक संकेत है।

और मुझे पता है कि हमने यह काम बहुत जल्दी कर लिया है। दूसरी ओर, भविष्यवाणी साहित्य और ज्ञान साहित्य के संदर्भ में पहले से ही अध्ययन की गई सामग्री में अपना रास्ता बनाने के लिए, आपको इतिहास को काफी तेज़ी से करना होगा। इसलिए, पूरे सम्मान के साथ, आप जानते हैं, यदि आप इसके साथ और अधिक करना चाहते हैं, तो आइए और ऐतिहासिक भूगोल लें, जहाँ हम इतिहास पर थोड़ा और ध्यान केंद्रित करते हैं।

यहाँ एक चार्ट है जिसका उपयोग हम समीक्षा करने के लिए करने जा रहे हैं, खासकर तब जब हम एक दूसरे से एक सप्ताह से अलग हैं। और, आप जानते हैं, चीजें बीच में आ गई हैं। अद्भुत चीजें बीच में आ गई हैं।

लेकिन याद दिला दूँ, राज्य 931 में विभाजित हुआ। यह वह तारीख है जिसे आप जानना चाहेंगे। और आपको याद होगा कि हमारे पास उत्तरी राज्य था।

नबात का बेटा यारोबाम इसकी शुरुआत करता है। रहूबियाम ही वह है जो दाऊद के वंश को आगे बढ़ाएगा। इसलिए इन बातों को ध्यान में रखें।

पिछली बार, हमने उत्तरी राज्य के पतन की पूरी कहानी को पढ़ा था। हमने वास्तव में एलियाह के समय से शुरुआत की थी, जहाँ से हमने छोड़ा था और यहाँ पूरी योजना बनाई थी। दूसरी तारीख जिसे आप जानना चाहेंगे वह है 722, उत्तरी राज्य असीरिया का पतन।

यह महत्वपूर्ण है। इसलिए, इस पर ध्यान दें। फिर से, आपको बहुत सारी तारीखें जानने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन आपको उन तीन तारीखों को जानना होगा जो यहाँ लाल रंग में हैं।

तीसरा वह होगा जहाँ हम आज जा रहे हैं, और वह 587-586 में बेबीलोन के दक्षिण में पतन होगा, विशेष रूप से बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर का। आज हमारा ध्यान इस पूरे नीले बॉक्स पर होगा, और आप नामों की उस सूची को देख रहे हैं। आखिर हम यह सब कैसे सीखेंगे? खैर, मैं मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करने जा रहा हूँ, ठीक है? केवल सबसे महत्वपूर्ण राजाओं के संदर्भ में मुख्य बिंदु, और वे आगे आने वाली सामग्री में दिखाई देंगे। लेकिन हम यहोशापात से आगे बढ़ेंगे, जहाँ हमने यहोशापात और अहाब के बीच उस पूरे गठबंधन को छोड़ दिया था।

आपको शायद मीकायाह याद होगा, जो वहाँ का भविष्यवक्ता था। हम उसके वंशज योराम अहज्याह से शुरू करने जा रहे हैं। जल्दी से इन लोगों के बारे में बताइए, बहुत जल्दी, और फिर हमारे कुछ प्रमुख व्यक्तियों, आहाज, हिजकियाह, मनश्शे और फिर विशेष रूप से योशियाह पर थोड़ा और समय बिताइए।

तो आज हम इसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। अगर मैं बहुत तेज़ चल रहा हूँ, तो कृपया मुझे रोक दें। मुझे पता है कि यह कठिन है, और मुझे पता है कि मैंने यह पहले भी कहा है, लेकिन मैं इसे फिर से कहूँगा।

ऐसा लगता है कि सभी नाम या तो J या A से शुरू होते हैं, और उन्हें सीधा रखना मुश्किल है। यह वह जगह है जहाँ फ्लैशकार्ड, यदि आपने अभी तक उनका उपयोग करना शुरू नहीं किया है, तो वास्तव में आपके लिए बहुत मददगार साबित होंगे या कुछ ऐसा जो काम आएगा जिसे आप थोड़ा अध्ययन करने के लिए अपने साथ ले जा सकते हैं। खैर, सबसे पहले, मुझे अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर एक या दो शब्द चाहिए।

हम हमेशा ऐसा करते हैं, लेकिन इसे ध्यान में रखना अच्छा है क्योंकि इज़राइल शून्य में नहीं रहता है। यहूदा शून्य में नहीं रहता है। यहाँ अन्य महत्वपूर्ण चीज़ें चल रही हैं।

यह भी वही बातें हैं जो आप पुराने नियम के समानांतरों को पढ़ने से प्राप्त कर रहे हैं। तो मैं इसे भी सामग्री में वापस डाल दूँगा। सबसे पहले, असीरिया।

अशूर काफ़ी समय से चर्चा में है। जब हम राजा हिजकियाह के बारे में बात करेंगे तो सन्हेरीब एक प्रमुख व्यक्ति होगा। इसलिए, उसे ध्यान में रखें।

पुराने नियम के समानांतरों में आप जो कुछ पढ़ रहे हैं, उनमें से एक सन्हेरीब की कुछ सामग्री होगी, जहाँ वह कहता है, मेरे पास यरूशलेम था, या वास्तव में मेरे पास यरूशलेम का राजा हिजकियाह था, जो पिंजरे में एक पक्षी की तरह फँसा हुआ था। हम थोड़ी देर में उस पर वापस आएँगे। तो, अशूर ने जीवन को वास्तव में कठिन बना दिया है, न केवल हिजकियाह और यहूदा के लिए, बल्कि आपको याद होगा कि पिछली बार वे ही थे जो उत्तरी राज्य के पूरे हिस्से को बंदी बनाने के लिए जिम्मेदार थे।

फिर, हम अपने संदर्भ को समझने के लिए अन्य लोगों के साथ फिर से आबादी बढ़ाएँगे और इसी तरह आगे बढ़ेंगे। हमारे पास दृश्य पर बेबीलोन भी मंडरा रहा है। हिजकिय्याह के समय में भी, बेबीलोन एक काफी महत्वपूर्ण व्यक्ति होने जा रहा है।

आपको याद होगा कि उन्होंने हिजकिय्याह के पास दूत भेजे थे। हिजकिय्याह ने उन्हें वह सब दिखाया जो उसके पास था, जो थोड़ी सी गलती थी। यशायाह उसे थोड़ी देर बाद यह याद दिलाएगा।

लेकिन बेबीलोन या बेबीलोनिया, दक्षिणी राज्य के पतन के समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। और जैसा कि मैंने यहाँ कहा है, वह राजा नबूकदनेस्सर होगा। इसके अलावा, इसे संभवतः नबूकदनेस्सर के नाम से अधिक जाना जाता है, लेकिन हर कोई नबूकदनेस्सर ही कहता है, इसलिए आप इसके साथ कोई भी शब्द जोड़ सकते हैं।

फिर से, अपने पुराने नियम के समानांतरों की समीक्षा करें, क्योंकि एक पत्र है, जब लोगों ने लाकीश की खुदाई की थी, तो कई पत्र मिले थे, यह लाकीश पत्र मिला जो बहुत ही मार्मिक शब्दों में बताता है कि यह कितना भयानक है। वे हिजकिय्याह से जलती हुई आग नहीं देख सकते। और मूल रूप से वे, मैं आपको एक पल में एक नक्शा दिखाऊंगा, वे दो किलेबंद शहर हैं जो यिर्मयाह को पढ़ते समय बचे हुए हैं, अध्याय 34 में वह अंश।

तो, आप इन सभी को एक साथ जोड़कर देख सकते हैं कि यहूदा के इस छोटे से राज्य के लिए उसके पतन से ठीक पहले कितनी मुश्किलें थीं। और फिर अंत में, मिस्र को हम ध्यान में रखना चाहते हैं, और हमेशा एक, अच्छा, दक्षिण और पश्चिम में एक दिलचस्प ताकत, यहूदा के लोगों के लिए कुछ समस्याएँ खड़ी कर रही थी, क्योंकि कुछ लोगों ने सोचा, अरे, आप जानते हैं, यह वास्तव में बुद्धिमानी होगी, मिस्र के साथ गठबंधन करके और फिर बेबीलोन के खिलाफ लड़ाई। और जैसा कि हम भविष्यवक्ता यिर्मयाह का अध्ययन करके देखेंगे, वह खुद को मुसीबत में डालने जा रहा है क्योंकि यह लोगों को उसकी सलाह नहीं है।

तो, सभी तरह की जटिल चीजें चल रही हैं। यदि आप समकालीन समानताओं के बारे में सोचना चाहते हैं, तो किसी भी राजनीतिक स्थिति और अजीब गठबंधनों को देखें जो हमारी समकालीन राजनीति में किसी और के साथ बनते हैं और फिर टूट जाते हैं और बनते हैं और फिर से बनते हैं। उस समय भी यही चल रहा था।

राष्ट्र बहुत ज़्यादा नहीं बदलते। वैसे, यह सिर्फ एक छोटी सी बात है, लेकिन फिर से अपने पुराने नियम के समानांतरों पर वापस आते रहें, इससे आपको काफ़ी मदद मिलेगी। बस एक नक्शे पर भी एक नज़र डालिए।

हमने असीरियन विस्तार को देखते समय इसी मूल भौगोलिक क्षेत्र को देखा था। अब हम बेबीलोन साम्राज्य को देखने जा रहे हैं, और जब तक हम इसे पूरी तरह से समझ पाते हैं, तब तक यह मिस्र तक पहुँच चुका होता है। वास्तव में, जब हम यिर्मयाह में कुछ पढ़ते हैं, तो हम देखते हैं कि बेबीलोन साम्राज्य वास्तव में बहुत विस्तृत था।

दिलचस्प बात यह है कि यह बहुत लंबे समय तक नहीं चलता है, जैसा कि हम निर्वासन के बाद की अवधि में देखेंगे। खैर, चलिए कुछ बाइबिल संबंधी बातें करते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमें दक्षिण में पकड़ बनानी है, और यहाँ कुछ घटनाओं के माध्यम से हमारी तेज़ दौड़ है, जिसमें दक्षिणी राज्य के लोग यहोशापात का अनुसरण करते हैं।

उज्जियाह अगला प्रमुख व्यक्ति होने जा रहा है। बीच में कुछ प्रमुख लोग हैं, और मैं उन्हें आपकी रडार स्क्रीन पर लाना चाहता हूँ। मुझे विश्वास है कि आप अपना अध्ययन कर रहे हैं, इसलिए आपको इसके कुछ विवरणों की अच्छी समझ है।

पिछली बार, हमने जिस दिलचस्प किरदार के बारे में बात की थी, उसका नाम येहू या जेहू था। आपको याद होगा कि उसे एक भविष्यवक्ता ने अभिषिक्त किया था। खैर, वह सुदूर गिलाद में युद्ध कर रहा था।

वह एक ऐसा व्यक्ति है जो पागलों की तरह गाड़ी चलाता है, और इसलिए वह यिज़्रेल की ओर दहाड़ता हुआ वापस आता है, और जब वह वहाँ पहुँचता है, तो वह उत्तरी राजा और दक्षिणी राजा दोनों को मार डालता है, ठीक है? तो यहीं से हम शुरू करते हैं। अहज्याह दक्षिणी राजा है। वह वह है जिसकी हत्या कर दी जाती है, क्योंकि येहू अपना पूरा सफ़ाया करता है, अहाब के घराने से छुटकारा पाता है, उत्तर में बाल के नबियों से छुटकारा पाता है, और एक सफ़ाई करता है, शायद बहुत ज़्यादा नहीं, लेकिन कम से कम उन तरह की चीज़ों का पूरा सफ़ाया करता है।

जब अहज्याह की हत्या कर दी गई थी, तब उसकी माँ, जिसका नाम अथलिया था, दृश्य से बाहर थी, ठीक है? वह यहाँ एक कारण से बोल्लफेस में है। उसने दक्षिणी राजवंश में विवाह किया था। मुझे उम्मीद है कि यह बात आपको समझ में आ रही होगी।

ओमरी उत्तर में राजा था। ओमरी अहाब का पिता था। ओमरी, उसके बाद अहाब, बाल पूजा के प्रति बड़े खुले हाथ थे, ठीक है? जब येहू ने अहाब के बेटे, ओमरी के पोते को खत्म कर दिया, तो उसने उत्तर में सफ़ाई कर दी, लेकिन दक्षिण में एक छोटी सी समस्या रही, और वह यह कि अथलिया की शादी दक्षिण में वंश में हुई थी, और वह एक बहुत ही बदसूरत महिला थी।

अगर आपने पाठ पढ़ा है, तो आप जानते हैं कि वह एक बड़ा सफ़ाई अभियान चलाती है क्योंकि वह सभी दक्षिणी राजवंश के लोगों से छुटकारा पाने की कोशिश कर रही है, और सच कहें तो, अगर आप पंक्तियों के बीच पढ़ते हैं, तो यहाँ क्या हो रहा है। उसने उत्तर में कुछ बदसूरत चीज़ें होते हुए देखी हैं, लेकिन वह बाल पूजा को गायब नहीं होने देने के लिए दृढ़ है, और इसलिए आप देख सकते हैं कि वह दक्षिण में भी बाल पूजा को पूजा के प्रमुख उद्देश्य के रूप में स्थापित करना चाहती है, और इसलिए वह यह पूरा सफ़ाई अभियान चलाती है, और वह सात साल तक आतंक के शासन में शासन करती है, मूल रूप से, सभी प्रकार के लोगों का सफ़ाया करती है। हालाँकि, उसकी नर्स द्वारा किसे छिपाया जाता है? जोआश नाम का एक छोटा लड़का।

योआश, शानदार। हाँ, योआश नाम का एक छोटा लड़का। वह अथलिया के इस सफ़ाये से बच निकलता है, और उसे उसकी नर्स और पुजारी यहोयादा ने सात साल तक छिपाए रखा, और फिर वे उसे बाहर ले आए।

वे उसे राजा का ताज पहनाते हैं। वे कहते हैं कि हम वाचा का पालन करेंगे, और दिलचस्प बात यह है कि अथलिया का सिर काट दिया जाता है। उसे मार दिया जाता है।

वह दृश्य से बाहर है क्योंकि वह दाऊद के राजवंश और यहोवा की उपासना के लिए वास्तव में एक गंभीर हानिकारक शक्ति रही है। योआश कुछ समय के लिए एक महान राजा है। वास्तव में, योआश तब तक एक महान राजा है जब तक पुजारी यहोयादा जीवित है।

अगर आप इस तरह से सोचना चाहते हैं तो यहोयादा एक महान गुरु था। दुर्भाग्य से, जब यहोयादा मर जाता है, तो योआश काफी हद तक धर्मत्यागी हो जाता है। वह अपने आस-पास के कुछ लोगों, कुलीनों, वगैरह की सलाह पर झुक जाता है, और वे मूल रूप से बाल की पूजा और अशेरा को फिर से स्थापित करते हैं।

बाल और अशेरा एक साथ चलते हैं। बाल पुरुष है। अशेरा इस पूरे बदसूरत हिस्से में महिला साथी है, मैं क्या कहूं, आयातित फोनीशियन पूजा।

जब ऐसा होता है, यहोयादा की मृत्यु के बाद और योआश के पीछे हटने के बाद और वापस उसी रास्ते पर जाने के बाद, उसे जकर्याह नामक एक भविष्यवक्ता द्वारा फटकार लगाई जाती है। लेकिन अपने गुस्से में, वह जकर्याह की हत्या करवा देता है। और फिर उसके प्रतिशोध में, मेरा मतलब है, आप यहाँ तनाव और बदला और प्रतिशोध को बढ़ते हुए देख सकते हैं।

इसके प्रतिशोध में, योआश की हत्या कर दी जाएगी। इसी तरह, उसके बेटे अमाज्याह की भी हत्या कर दी जाएगी। क्या आप इस समय दक्षिणी राज्य का वास्तव में दुखद, दुखद विघटन देख रहे हैं? यह एक बड़े पैमाने पर पतन की ओर जा रहा है।

लेकिन फिर एक आदमी आता है जिसका नाम है, सबसे पहले, अजर्याह, लेकिन हम उसे शायद उज्जियाह के नाम से बेहतर जानते हैं। तो, उन्हें समानांतर नामों के रूप में सोचें। जब आप अजर्याह पढ़ते हैं, तो यह उज्जियाह के समान ही होता है।

मैं उसे उज्जियाह कहूँगा। वह एक अच्छा आदमी है। वह एक अच्छा राजा है।

2 इतिहास में उसके बारे में बहुत कुछ कहा गया है। वह एक गंभीर गलती करता है, और हम इसके बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे। लेकिन उससे पहले, हम सीखते हैं कि वह सफल रहा है।

वह यहूदा की सीमाओं को फिर से आगे बढ़ाता है। यह कहता है कि वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसने युद्ध मशीनरी विकसित की है। यह कहता है कि वह एक ऐसा व्यक्ति है जो मिट्टी से प्यार करता है और काम करना पसंद करता है।

तो, एक संपूर्ण रूप से संतुलित व्यक्ति। दुर्भाग्य से, और यह एक ऐसी कहानी है जिसे आप शायद जानते हों, गर्व के क्षण में, वह कुछ ऐसा करता है जो उसे नहीं करना चाहिए था, जो कि धूपबत्ती लेकर सीधे मंदिर में जाना है, और इसके परिणामस्वरूप प्रभु उसे कोढ़ से पीड़ित कर देगा। क्योंकि यह सच है, उसे एकांत में रहना पड़ता है, और वह और उसका बेटा योताम अपने शासनकाल के अंतिम वर्षों के दौरान सह-शासन करेंगे।

इसलिए योताम का शासनकाल उज्जियाह के शासनकाल से मेल खाएगा। योताम भी एक अच्छा राजा है। हम उसके बारे में बहुत कुछ नहीं पढ़ते हैं, लेकिन हम पढ़ते हैं कि वह एक अच्छा राजा था।

और फिर आता है आहाज। हम आहाज के बारे में थोड़ा पढ़ने जा रहे हैं क्योंकि यह कुछ ऐसा करने के लिए मंच तैयार करने जा रहा है जो हम कुछ समय बाद एक प्रमुख भविष्यद्वक्ता, जो कि इसायाह है, के साथ करने जा रहे हैं। और मैं कुछ राजनीति के बारे में बताना चाहूँगा जो शायद आप जानते हों, लेकिन उन पर फिर से चर्चा करना अच्छा रहेगा।

जब आप यहूदा के बारे में सोचते हैं, और यहाँ हमारा छोटा सा यहूदा है, छोटा सा देश। उत्तर की ओर, बहुत बड़ा इज़राइल था। आहाज के समय, इज़राइल अभी भी मौजूद है।

हमने पिछले हफ़्ते इसे मिटा दिया, लेकिन आहाज के समय, इज़राइल अभी भी मौजूद है। इज़राइल के उत्तर-पूर्व में कौन है? सीरिया। अच्छा।

इसे अराम के नाम से भी जाना जाता है। यह इजरायल-यहूदा और मेसोपोटामिया में हमारी प्रमुख महाशक्तियों के बीच का बफर जोन है, चाहे वे कोई भी हों। और इस समय, वे सभी सीरिया हैं।

तो, यहाँ चार प्रमुख संस्थाएँ हैं जो महत्वपूर्ण हैं। जब उत्तरी राज्य, फिर से, अपने पूर्ण होने से पहले, उत्तरी राज्य और सीरिया यहूदा पर हमला करते हैं, तो यह एक डरावनी बात है क्योंकि यहूदा शुरू से ही छोटा है। और यहाँ आपके पास यह उत्तरी राज्य है। यह बड़ा है, और उनका सीरिया के साथ गठबंधन है, जो शक्तिशाली भी है।

जब वे यहूदा पर हमला करते हैं, तो राजा आहाज डर जाता है। और फिर, वह क्या करता है? खैर, एक आसान प्रलोभन के तौर पर, वह उस समय की महाशक्ति के साथ गठबंधन करता है और उनसे मदद की गुहार लगाता है।

और हम कहानी को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। मैं वास्तव में इसे राजाओं के अध्याय 16, श्लोक 10 से पढ़ने जा रहा हूँ।

राजा आहाज दमिश्क गए। इसलिए, वे बफर जोन क्षेत्र में मिल रहे हैं क्योंकि असीरिया के राजा तिग्लथ-पिलेसर ने कुछ लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। राजा आहाज असीरिया के राजा तिग्लथ-पिलेसर से मिलने के लिए दमिश्क गए।

उसने दमिश्क में एक वेदी देखी और पुजारी ऊरिय्याह को वेदी का खाका बनाने के लिए भेजा। इसलिए पुजारी ऊरिय्याह ने दमिश्क से राजा आहाज द्वारा भेजी गई सभी योजनाओं के अनुसार एक वेदी बनाई और उसे पूरा किया। जब राजा वापस आया, तो उसने वेदी देखी।

उन्होंने इसके लिए संपर्क किया और प्रसाद पेश किया। आहाज जो कुछ कर रहा है, उसमें बहुत सारी गड़बड़ियाँ हैं। एक समस्या राजनीतिक है।

मैं इसके बारे में कुछ और बात करने जा रहा हूँ। दूसरी बात स्पष्ट रूप से धार्मिक आत्मसात की समस्या है। उसने कुछ ऐसा देखा है जो आकर्षक है, यहोवा की वेदी से भी अधिक आकर्षक, भगवान की पूजा से भी अधिक आकर्षक, और वह इसे मंदिर में आयात कर रहा है।

यह स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जो परमेश्वर की दृष्टि में घृणित है। आहाज मंदिर के दरवाज़े भी बंद कर देगा, जो कि परमेश्वर की आराधना के प्रति उसकी भावनाओं के बारे में भी कुछ कहता है। लेकिन अब, इस गठबंधन पर वापस आते हैं।

अगले सप्ताह जब हम यशायाह की पुस्तक का अध्ययन करेंगे, तो प्रभु की इच्छा से, हमें अध्याय 7 में एक बहुत ही रोचक भविष्यवाणी देखने को मिलेगी। यह उत्तरी राज्य और सीरिया के बीच गठबंधन के संदर्भ में आहाज को यशायाह की भविष्यवाणी होगी और आहाज द्वारा अशशूर से मदद के लिए गलत अपील के संदर्भ में होगी। तो, यह सब लिख लें क्योंकि यशायाह आहाज को ऐसा करने के लिए फटकार लगाने जा रहा है। और हम अध्याय 7 में उस भविष्यवाणी को उठाएंगे और इसे उसके राजनीतिक संदर्भ में देखेंगे।

तो, यह उन जगहों में से एक है जहाँ आप जो पढ़ा है उसे नहीं भूलते क्योंकि अगर आप जो पढ़ा है उसे भूल जाते हैं, तो आप उस महिला की तरह हैं जो उस कहावत को याद रखती है। वह एक बच्चे को जन्म देती है और बाहर जाकर उसे दफना देती है। ठीक है। मैं आपको बस उस रब्बीनी कहावत की याद दिलाता रहूँगा।

यह बहुत बढ़िया है। तो, यशायाह के अध्ययन के लिए इसे संभाल कर रखें। चलिए आगे बढ़ते हैं।

हम हिजकिय्याह के शासनकाल से शुरुआत करना चाहते हैं और यहाँ कुछ समय बिताना चाहते हैं। आहाज के बाद, आपके पास एक वास्तविक बदलाव है, और अगर आप अपने पाठ में अनुसरण कर रहे हैं तो मैं 2 इतिहास से शुरुआत करने जा रहा हूँ। हिजकिय्याह एक उल्लेखनीय अच्छा राजा है।

2 इतिहास 28, पद 24 में वही लिखा है जो मैंने अभी तुम्हें बताया है। आहाज ने यहोवा के मंदिर के दरवाजे बंद कर दिए और यरूशलेम की हर गली के कोने पर वेदियाँ खड़ी कर दीं। यहूदा के हर शहर में उसने दूसरे देवताओं के लिए बलि चढ़ाने के लिए ऊँचे स्थान बनाए।

और वैसे, 2 राजा हमें यह भी बताएंगे कि आहाज उन राजाओं में से एक है जिसने अपने बच्चों को आग में से गुज़रने दिया, चाहे इसका मतलब कितना भी बुरा क्यों न हो। इसलिए हिजकिय्याह को कुछ काम करना है। सबसे पहले वह कुछ धार्मिक सुधार लागू करेगा।

आइए 2 इतिहास 29, श्लोक 3 में पढ़ते रहें। अपने शासनकाल के वर्ष के पहले महीने में, तुरंत, अपने शासनकाल के पहले महीने, पहले वर्ष में, उसने प्रभु के मंदिर के द्वार खोले और उनकी मरम्मत की, याजकों और लेवियों को बुलाया, और उसने कहा, यहाँ की सारी गंदगी को दूर करो। अब, मैं 2 राजा 18 की ओर नहीं जा रहा हूँ, लेकिन 2 राजा 18 में, यह कहा गया है कि उसने पीतल के साँप को बाहर निकाला। आइए खुद को याद दिलाएँ: पीतल का साँप क्या था, और यह मंदिर में क्या कर रहा था? क्या किसी को याद है? सारा, आगे बढ़ो।

हाँ, दिलचस्प बात यह है कि जंगल में भटकने के बाद से ही उनके पास यह चीज़ है, जाहिर है, क्योंकि अगर आपको संख्या अध्याय 21 याद है, जब लोग बड़बड़ा रहे थे, और मूसा ने मूसा से कहा, मुझे खेद है, प्रभु ने मूसा से कहा, एक खंभे पर एक साँप खड़ा करो और जो लोग इसे देखेंगे वे साँप के काटने से ठीक हो जाएँगे जो उन्हें पीड़ित कर रहे थे। और उसने वास्तव में ऐसा किया। ऐसा प्रतीत होता है कि सदियों से, क्योंकि हम जंगल में भटकने के बारे में बात कर रहे हैं, शायद 1400 ईसा पूर्व से, अब हम लगभग 700 ईसा पूर्व तक पहुँच चुके हैं।

सदियों से, इस चीज़ को धार्मिक कलाकृति के रूप में रखा गया था, अगर आप चाहें तो। लेकिन शायद यह एक मूर्तिपूजक वस्तु में भी बदल गई थी, और इसलिए, हिजकिय्याह जो करेगा वह इसे टुकड़े-टुकड़े कर देगा। वैसे, एक तरफ, ऐसे विद्वान हैं जो सुझाव देते हैं कि हिजकिय्याह के पास इस चीज़ को टुकड़े-टुकड़े करने का एक और कारण हो सकता है।

सर्प मिस्र का प्रतिनिधित्व करता था। और शायद इस समय, उनके मंदिर के संदर्भ में मिस्र के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ दर्शाने वाली वस्तु का होना उतना अच्छा नहीं था। इसलिए, हमेशा यह विकल्प मौजूद है।

किसी भी तरह से, उसने मूर्तिपूजा से जुड़ी सभी चीज़ों से छुटकारा पा लिया है, मंदिर को साफ कर दिया है, और मंदिर की सफाई के बारे में अध्याय 29 में हमारी लंबी-लंबी चर्चा है। ध्यान दें कि वह फसह का पर्व भी मनाने जा रहा है। यह अध्याय 30 है, और फिर से, मैं आपको यहाँ क्या हो रहा है, इसके बारे में थोड़ा-बहुत पढ़कर सुनाता हूँ।

हिजकिय्याह न केवल अपने राज्य के लोगों को संबोधित करता है, बल्कि वह उत्तर की ओर दूत भी भेजता है। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय बात है क्योंकि यह वह क्षेत्र है जो यहूदा के साथ कभी-कभी दुश्मनी में रहा था, और फिर भी ध्यान दें, उसने एप्रेम और मनश्शे को पत्र लिखे। वे वहाँ दो जनजातियाँ हैं।

उन्होंने दूसरे महीने में फसह मनाने का फैसला किया क्योंकि उनके पास चीज़ों को साफ करने का समय नहीं था। श्लोक 5, उन्होंने बेशेबा से पूरे इस्राएल में एक घोषणा भेजने का फैसला किया। बेशेबा कहाँ है? अस्पष्ट रूप से।

पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण। हाँ, यह दक्षिण है, है न? बीशेबा दक्षिण में है। अगर आप मृत सागर के निचले सिरे से सीधे पश्चिम की ओर जाएँ, तो बीशेबा वहीं है।

बेशर्बा से दान तक दूत भेजे गए। दान कहाँ है? उत्तर की ओर एक ऐसे क्षेत्र में जिसे बाद में बंदी बना लिया गया। किसी भी स्थिति में, राजा के आदेश पर, पद 6 में, संदेशवाहक पूरे इस्राएल और यहूदा में गए, और उन्होंने कहा, इस्राएल के लोगों, अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर यहोवा के पास लौट आओ, कि वह तुम्हारे पास लौट आए जो बचे हुए हैं, जो अशशूर के राजा से बच गए हैं।

ठीक है? अपने पिताओं की तरह मत बनो। हठी मत बनो। अगर तुम प्रभु के पास लौटोगे, तो तुम्हारे भाइयों और तुम्हारे बच्चों पर दया की जाएगी।

वह अपना चेहरा आपकी ओर मोड़ लेगा। अब, यदि आप पाठ को पढ़ना जारी रखते हैं, तो जो कुछ होता है, उनमें से एक यह है कि बहुत से लोग कहते हैं, ओह हाँ, ठीक है, और वे उसका मज़ाक उड़ाते हैं। लेकिन यह भी कहा जाता है कि उत्तर में आशेर, मनश्शे और ज़ेबुलुन जनजातियों के कुछ लोग अपने ऊपर किए गए तिरस्कार को झेलने का फैसला करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने खुद को नम्र किया और यरूशलेम चले गए। और यहूदा में, परमेश्वर का हाथ लोगों पर था ताकि वे फसह मनाते समय मन की एकता बनाए रखें। और वे फसह का एक बड़ा उत्सव मनाते हैं।

अब, वैसे, फसह मनाने के लिए दूसरे महीने के प्रावधान का क्या कारण था? यह टोरा में है। वह इसे यूँ ही नहीं कर रहा है। यह टोरा में है।

क्या आपको याद है कि उन्हें यह शर्त रखने की अनुमति क्यों दी गई थी? सारा? हाँ, अगर वे शुद्ध नहीं थे या अगर उन्होंने यात्रा की थी। यह भी संख्या 9 में दी गई शर्तों में से एक थी। खैर, यहाँ आप इन लोगों से निपट रहे हैं जिन्होंने शायद लंबी दूरी की यात्रा की है। वे मंदिर को साफ करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

हर कोई शुद्ध नहीं है, और फिर भी आपके पास हिजकिय्याह है जो उनके लिए प्रार्थना कर रहा है। प्रभु जो भला है, मैं अध्याय 30, श्लोक 18, के आधे भाग में हूँ। प्रभु जो भला है, उन सभी को क्षमा करे जो परमेश्वर की खोज करने के लिए अपना दिल लगाते हैं, भले ही वह पवित्रस्थान के नियमों के अनुसार शुद्ध न हो।

और प्रभु ने हिजकिय्याह की बात सुनी और लोगों को चंगा किया। तो परमेश्वर की दया और करुणा उस विशेष संदर्भ में सामने आती है। ठीक है, उसी समय, और फिर से, आप पुराने नियम के समानांतर सामग्री को पढ़ने से इस बात का कुछ विवरण प्राप्त कर सकते हैं कि यह सब कैसे काम कर रहा है।

लेकिन साथ ही, हिजकिय्याह के पास, ठीक है, चुतज़पा इसके लिए सबसे अच्छा शब्द है। चुतज़पा क्या है? यह एक बढ़िया यिडिश शब्द है। आप डॉ. विल्सन की मॉडर्न यहूदी संस्कृति को लें, आपको चुतज़पा के बारे में थोड़ा और पता चलेगा।

लेकिन यह अब सीखने लायक शब्द है। क्या कोई जानता है कि चुत्ज़पा क्या होता है? अगर आप यहूदी इलाके में पले-बढ़े हैं, तो आपको पता होगा। आगे बढ़ो, चेल्ली।

क्या यह गम्पशन है? गम्पशन। हाँ, यह एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल मेरी दादी करती थीं। आपमें से कितने लोग गम्पशन का मतलब जानते हैं? हममें से कुछ लोग।

ठीक है। यह एक तरह का बेशर्म अहंकार है, जो शायद समझदारी से थोड़ा ज़्यादा मज़बूत है। लेकिन मुझे समझदारी पसंद है।

यह एक अच्छा शब्द है, है न? लेकिन चुत्ज़पाह का मतलब है, बेशर्मी से भरा अहंकार, इसका अनुवाद करने का सबसे अच्छा तरीका है, आप जानते हैं? बस कुछ ऐसा करने की हिम्मत जो शायद वास्तव में अवास्तविक लगे और, कुछ मामलों में, शायद बहुत बुद्धिमानी न हो, लेकिन फिर भी, आप आगे बढ़ते हैं और फिर भी ऐसा करते हैं। यहाँ हिजकिय्याह है। फिर से, ज़रा सोचिए, छोटा सा यहूदा, और वह अशशूर के राजा के खिलाफ़ विद्रोह कर रहा है।

जब आप इस भू-राजनीति के बारे में सोचते हैं तो यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक बात है। और फिर, 2 राजा 18 हमें वर्षों के बारे में कुछ विवरण देता है और यह कैसे सामने आता है। खैर, परिणामस्वरूप, सन्हेरीब आता है।

और 2 इतिहास के अध्याय 31 के अंत और अध्याय 32 की शुरुआत के बीच के संयोजन को पढ़ना दिलचस्प है। मैं इसे आपके लिए आसानी से पढ़ सकता हूँ। यहाँ अध्याय 31 का अंत है।

अभी-अभी सभी पुनरुद्धार और सुधार आदि के बारे में बात कर रहा था, यह कहता है, यही वह है जो हिजकिय्याह ने पूरे यहूदा में किया, जो उसके परमेश्वर यहोवा के सामने अच्छा और सही और वफ़ादार था। परमेश्वर के मंदिर की सेवा में और कानून और आज्ञाओं का पालन करने में उसने जो कुछ भी किया, उसमें उसने परमेश्वर की तलाश की, और उसने पूरे दिल से काम किया, और इसलिए वह समृद्ध हुआ। और आप चाहेंगे कि कहानी का अंत यहीं हो, लेकिन अध्याय 32 इस तरह से शुरू होता है।

हिजकिय्याह ने जो कुछ भी ईमानदारी से किया था, उसके बाद अशशूर के राजा सन्हेरीब ने आकर यहूदा पर आक्रमण किया। उसने किलेबंद शहरों की घेराबंदी की, उन्हें जीतने की सोची। आप जानते हैं, बस मैं एक सबक देना चाहता हूँ जो मुझे उम्मीद है कि बहुत ज़्यादा नहीं होगा।

सिर्फ़ इसलिए कि हम अच्छे और वफ़ादार हैं और पूरे दिल से परमेश्वर की सेवा करते हैं, हमें यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि चीज़ें आसानी से और सुचारू रूप से चलेंगी। वास्तव में, शायद यही वो समय है जब शैतान हमें गिराने की कोशिश में सबसे ज़्यादा हमला करेगा। और कुछ मायनों में, यहाँ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है।

हिजकिय्याह ने जो किया वह सही था, और फिर भी उसे राजनीति और अपने अस्तित्व के मामले में संकट का सामना करना पड़ा। अब, हम देखेंगे कि यह कैसे काम करता है क्योंकि उसके पास प्रार्थना है कि वह जाकर भविष्यवक्ता यशायाह से जुड़ जाए, और वह मंदिर में जाकर प्रार्थना भी

करेगा, और परमेश्वर उसे चमत्कारिक तरीके से मुक्ति दिलाएगा। लेकिन यह कोई आसान मुक्ति नहीं है, और निश्चित रूप से, इसके लिए बहुत काम करना पड़ता है।

खैर, किसी भी तरह से, यहाँ हमारे कामचलाऊ नक्शे पर सेनचेरिब के आक्रमण के साथ क्या हो रहा है, इस पर एक त्वरित नज़र है। यहाँ लाल रंग में यरूशलेम है, ठीक ऊपर। देखना मुश्किल है।

मेरी बात पर यकीन करें, इसमें यरूशलेम लिखा है। सफेद अंडाकार लाक़ीश है। जैसा कि आपने इस ऐतिहासिक सामग्री को पढ़ा है, मेरी इच्छा है कि मैं आप सभी को लगातार भूगोल की कक्षा में ले जा सकूँ।

अधिकांश आक्रमण, यदि वे उत्तर से होकर इज़राइल के उत्तरी भाग तक नहीं पहुँचते, तो तटीय मैदान की ओर बढ़ेंगे। क्या आपको हमारा तटीय मैदानी क्षेत्र याद है? आसान यात्रा, समतल, सैन्य आक्रमण और वाणिज्यिक यातायात हमेशा तटीय मैदान के इन प्रमुख मार्गों से होते हैं। सेनचेरिब ने यही किया है।

तो, वह यहाँ इस राजमार्ग पर तटीय मैदान से नीचे आया है, और उसने खुद को लाक़ीश में पार्क कर लिया है। ऐसा करने वाला वह अकेला नहीं है। अन्य आक्रमणकारियों ने भी ऐसा किया है क्योंकि ये प्रवेश द्वार हैं, ये घाटियाँ हैं, ठीक इसी तरह।

ये पहाड़ी प्रदेश में प्रवेश द्वार हैं। और जब सन्हेरीब लाक़ीश में होता है, तो वह यहाँ तक पहुँचने के लिए तैयार रहता है, और वास्तव में, वह ठीक यही करता है। वह अपने सेनापतियों को भेजता है, और वे यरूशलेम की दीवारों पर लोगों से बात करने जा रहे हैं।

तो, अभी यह मुश्किल लग रहा है। वास्तव में, इस समय हिजकिय्याह के लिए यह बहुत मुश्किल लग रहा है। सन्हेरीब वास्तव में वापस जाएगा और इस बारे में डींग मारेगा।

सन्हेरीब जेल वह जगह है जहाँ वह कहता है, और फिर से, यह आपके पुराने नियम के समानांतर है, यह वह जगह है जहाँ वह कहता है कि मैंने हिजकिय्याह को यरूशलेम में पिंजरे में एक पक्षी की तरह फँसा दिया था। अब, वह आपको यह सोचने पर मजबूर करता है कि वह हिजकिय्याह का अंत था, लेकिन निश्चित रूप से, हम बाइबिल के पाठ से जानते हैं कि यह अन्यथा काम करता है। वह हमें आक्रमण का चित्रण भी दिखाता है, उसकी सेनाएँ लाक़ीश के स्थल पर आक्रमण करती हैं।

अब, दिलचस्प बात यह है कि जब आप ब्रिटिश संग्रहालय में जाते हैं, और आप में से जो लोग ऑक्सफोर्ड में अध्ययन करेंगे, और मुझे उम्मीद है कि आप में से बहुत से लोग वहाँ जाएंगे, तो ब्रिटिश संग्रहालय में एक पूरा कमरा है जो विशेष रूप से इस सामग्री के लिए समर्पित है जिसे सेनचेरिब के महल के एक कमरे की दीवार से लिया गया था। और आप पूरे कमरे में घूम सकते हैं। यह संभवतः यहाँ की पहली सात पंक्तियों के आकार का है।

कमरे के चारों ओर सेनेचेरिब के महल की दीवार से हटाए गए उभार हैं, और यह लाकीश पर आक्रमण को दर्शाता है। तो यहाँ आपको रक्षक मिलेंगे, यहूदी रक्षक, इस्राएली रक्षक, माफ़ कीजिए, घेराबंदी की सीढ़ियाँ ऊपर जा रही हैं, यहाँ नीचे लोग दीवार को पार करने की कोशिश कर रहे हैं, और सभी तरह की क्रूरता। यह इसका सिर्फ़ एक हिस्सा है।

वैसे, जैसा कि आप लाकीश में पुरातत्व का अध्ययन करते हैं, और हमारे पास ऐसा करने का समय नहीं है, लेकिन वहाँ अभी भी असीरियन घेराबंदी रैंप के अवशेष हैं जो उन्हें वहाँ भी मिले थे। किसी भी तरह से, यह सेनेचेरिब का प्रयास है। यहाँ एक कलाकार द्वारा पुनर्निर्माण किया गया है कि यह कैसा दिखता होगा।

अंत में, यहाँ आप देख सकते हैं कि सन्हेरीब फिर से लाकीश के लोगों से लाई गई सारी श्रद्धांजलि पेश कर रहा है, जिन्हें वह अपने परिवहन योग्य सिंहासन पर सन्हेरीब के पास ले गया था, और हर कोई अधीनता में आ रहा है। खैर, आइए देखें कि कैसे परमेश्वर ने इस घिरे हुए लोगों और हिजकिय्याह को राजा के रूप में प्रदान किया। सबसे पहले, वास्तव में, मुझे अपना पाठ यहाँ प्राप्त करना चाहिए।

हिजकिय्याह के पास अपनी प्राथमिकताएँ और अपने विचार हैं कि कैसे चीज़ों से सीधे निपटना है। वह ईमानदारी से प्रार्थना करता है। वह मंदिर में जाता है।

वह प्रार्थना में प्रभु के सामने यह पूरा मामला रखता है। ठीक है? तो, वह सबसे पहले यही कर रहा है। जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा, वह इस समय के मुख्य भविष्यवक्ता, यशायाह से भी अपील करता है।

और यशायाह उससे कहने जा रहा है, चिंता मत करो। ये लोग चले जाएँगे। 2 राजाओं के अध्याय 19 में, यह प्रभु का वचन है, और यह यशायाह बोल रहा है, यह वह वचन है जो प्रभु ने सन्हेरीब के विरुद्ध कहा है।

सिय्योन की कुंवारी बेटी तुम्हें तुच्छ समझती है और तुम्हारा मज़ाक उड़ाती है। यरूशलेम की बेटी तुम्हारे भागने पर अपना सिर हिलाती है। फिर वह इस बारे में बात करता है कि कैसे परमेश्वर वास्तव में यरूशलेम को बचाने जा रहा है।

ठीक है? तो ये कुछ ऐसी बातें हैं जो हो रही हैं। हिजकिय्याह प्रार्थना करता है। हिजकिय्याह अपने भविष्यवक्ता यशायाह के संसाधनों का सहारा लेता है।

इसी तरह, यशायाह प्रभु को संदेश पहुँचाएगा। लेकिन हिजकिय्याह कुछ और काम भी करता है। ठीक है? वह अपने शहर की रक्षा करने जा रहा है।

और वह इसे कुछ बहुत ही खास तरीकों से करता है। अगर आपको हमारा छोटा सा शहर डेविड याद है, और मैं आपको एक पल में नक्शा दिखाने जा रहा हूँ, तो डेविड शहर के लिए पानी का स्रोत एक झरना था, एक झरना जिसे गीहोन झरना कहा जाता था। इसके दोनों ओर विशाल मीनारें थीं, जाहिर है इसे बचाने के लिए।

हिजकिय्याह एक बाहरी दीवार बनाने जा रहा है। वह यरूशलेम की पश्चिमी ढलान पर एक और दीवार बनाने जा रहा है ताकि उसके शरणार्थियों की रक्षा हो सके जो उत्तर से नीचे आ रहे हैं और वहाँ बस रहे हैं। और फिर, बेशक, उसका सबसे बड़ा काम 2 राजाओं के अध्याय 20 में एक छोटी सुरंग बनाना है।

हिजकिय्याह के शासनकाल की अन्य सभी घटनाओं, उसकी सभी उपलब्धियों, तथा उसने किस तरह एक तालाब और सुरंग बनाई जिसके द्वारा वह शहर में पानी लाया, क्या वे यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं? इसलिए, हिजकिय्याह अपने लोगों की देखभाल करने के लिए बहुत सावधानी से काम कर रहा है, प्रार्थना और इस पर और उनकी ओर से यशायाह के काम के साथ-साथ उसकी इंजीनियरिंग के संदर्भ में भी। और मैं आपको इसके कुछ और फोटो दिखाऊंगा। जब आप पुराने नियम के समानांतरों को पढ़ते हैं, तो मुझे पुराने नियम के समानांतरों पर वापस आना पसंद नहीं है, लेकिन वहाँ बहुत ही रोचक चीजें हैं।

आपको सिलोआम शिलालेख मिला है। यह एक अद्भुत शिलालेख है जो हिजकिय्याह की सुरंग में पाया गया था। यह वर्णन करता है कि कैसे लोगों के ये दो समूह, कुल्हाड़ियों से आधारशिला को तोड़ रहे थे, ठीक है, यह आधारशिला से गुजर रहा है, और यह एक तिहाई मील लंबा है, जो बीच में एक दूसरे से टकराने और किसी तरह से मिलने में कामयाब हो रहा है। और वह विशेष शिलालेख बताता है कि यह कैसे हुआ।

किसी भी हालत में, अशशूर की सेना का ख्याल रखा गया। इसमें कहा गया है, प्रभु का दूत, अध्याय 19, 2 राजा, बाहर गया और अशशूर के शिविर में 185,000 लोगों को मार डाला। जब लोग अगली सुबह उठे, तो वे सभी मृत शरीर थे।

तो, अशशूर के राजा सन्हेरीब ने शिविर तोड़ दिया और वापस चला गया। वह नीनवे लौट आया, और दिलचस्प बात यह है कि उसके साथ क्या हुआ? उस समय के राज्यों की वीभत्स, क्रूर प्रकृति पर एक और छोटा सा चित्रण। उसके बेटों ने उसकी हत्या कर दी।

यह सन्हेरीब के लिए सुखद अंत नहीं है। खैर, मैंने पहले ही हिजकिय्याह के संदर्भ में कुछ सबक बताए हैं। उसकी वफादार जीवनशैली।

तथ्य यह है कि उन्होंने हर संभव तरीके से सभी संसाधनों का बहुत सावधानी से लाभ उठाया और वास्तव में कड़ी मेहनत की। वैसे, जब हम थोड़ी देर बाद नेहेमिया नामक बाइबिल के पात्र को उठाएंगे, तो हमें वही पैटर्न देखने को मिलेंगे। यह सब कहाँ हो रहा है, इस संदर्भ में बस कुछ बातों पर गौर करना है।

कमरे के पीछे से इसे देखना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन यहाँ हमारे पास डेविड के शहर का नक्शा है। यह पूरी चीज़ यहीं है। गीहोन स्प्रिंग यहीं है।

हिजकिय्याह की सुरंग, जो हिजकिय्याह द्वारा वास्तव में इस काम को शुरू करने से पहले अस्तित्व में नहीं थी, यहाँ से शुरू होती है और यहाँ से शुरू होती है। खैर, यह वहाँ समाप्त होती है, लेकिन इस छोर से छिन्न-भिन्न होकर, वे बीच में मिलती हैं। फिर से, यह उल्लेखनीय है।

मैं आपको बता दूँ कि यह एक तिहाई मील लंबा है, अगर आप ऐसा करने की कल्पना कर सकते हैं। इंजीनियर अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हिजकिय्याह के लोग ऐसा कैसे कर पाए। यह 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व की बात है।

शायद यह सुझाव दिया जा रहा है कि शायद वे चूना पत्थर में किसी तरह की प्राकृतिक दरार का अनुसरण कर रहे थे। यह पूरी तरह से संभव है। लेकिन किसी भी तरह से, यह पानी को नीचे की ओर एक तालाब की तरह ले आया जो दीवारों के अंदर था और इसलिए संरक्षित था ताकि लोग उस तक पहुँच सकें।

वैसे, उस तालाब के बारे में एक और बात यह है कि यह न केवल स्पष्ट झरने वाले क्षेत्र से पानी लाता है। अश्शूरियों को शायद पता होगा कि वह कहाँ है। वे इसे छिपाने की कोशिश करेंगे।

लेकिन वे यहाँ पूल के अंदर पानी ला रहे हैं। लेकिन यह उन लोगों के लिए भी कुछ करता है जो इस पहाड़ी पर रह रहे हैं। इस समय तक, यरूशलेम का विस्तार हो चुका था।

यह अब सिर्फ़ दाऊद का छोटा सा शहर नहीं रह गया था। वास्तव में, हिजकिय्याह एक दीवार बनाने जा रहा है जो इस पूरे हिस्से को घेरेगी। बात यह है कि उत्तर से बहुत से लोग आ रहे हैं, संभवतः उत्तरी राज्य से शरणार्थी के रूप में, जो असीरिया वहाँ जो कर रहा था उसके आधार पर।

बहुत से लोग दक्षिण की ओर आ रहे हैं। वे यरूशलेम की एक असुरक्षित पश्चिमी पहाड़ी पर रह रहे हैं। हिजकिय्याह उनके चारों ओर एक दीवार खड़ी कर देता है।

और यह तालाब उनकी भी मदद करता है क्योंकि, अपनी जल-संग्रह तकनीकों के बारे में सोचें, अगर आप यहाँ रहते हैं और आपके पास पानी का एकमात्र स्रोत यहाँ है, तो आप इस घाटी में नीचे जाएँगे, उस पहाड़ी पर चढ़ेंगे, और फिर से उस घाटी में उतरेंगे। यहाँ नीचे पानी के साथ, आप बस एक घाटी में नीचे जाते हैं और फिर इसे वापस घर ले जाते हैं। यह इस समय बढ़ती हुई यरूशलेम की आबादी के लिए पानी सुलभ बनाने का एक बेहतर तरीका है।

तो, हिजकिय्याह वाकई कुछ अच्छा काम कर रहा है। कुछ तस्वीरें। दो बातें।

यहाँ उसकी दीवार है, दीवारों में से एक। यह केवल एक ही नहीं है, बल्कि यह उस दीवार का हिस्सा है जो उस पश्चिमी ढलान पर खोजी गई है, जिसके बारे में मैं आपको बता रहा था, वह हिस्सा जिसे उसने घेर लिया था, संभवतः उन लोगों की रक्षा के लिए जिन्होंने यरूशलेम का आकार बढ़ाया था और वहाँ रह रहे थे। वैसे, यह दीवार, जाहिर तौर पर, और उन्होंने नीचे के सभी मलबे से यह पता लगाया था, इस बिंदु पर इतनी ऊँची थी।

आप वहाँ खड़े लोगों का आकार देख सकते हैं, इसलिए इससे आपको इस दीवार की मोटाई का थोड़ा सा अंदाजा हो जाता है। दिलचस्प बात यह है कि यशायाह अध्याय 22 में, हम अभी इस पर गौर नहीं करेंगे, लेकिन यशायाह अध्याय 22, श्लोक 9 से 11 में, यशायाह कहता है, "तुमने दीवार बनाने के लिए घरों को गिरा दिया।" फिर वह इसके बारे में कुछ और बातें कहता है और वास्तव में लोगों को ऐसा करने के लिए फटकार लगाता है। वैसे, यहाँ आप एकवचन नहीं है।

यह बहुवचन है, सभी इस्राएलियों के बारे में बात कर रहा है। "घरों को गिरा दिया।" जाहिर है, यहाँ घरों की नींव थी, लेकिन वे एक तरह से प्रतिष्ठित डोमेन की पूरी संभावना में थे, और उन्होंने इस सार्वजनिक कार्य रक्षा चीज़ का निर्माण करने के लिए उन्हें ले लिया। यहाँ हमारे पास हिजकिय्याह की सुरंग है।

इस पर एक छोटी सी नज़र डालें। वैसे, कुछ जगहों पर यह काफी छोटा है। हममें से कुछ लोगों को इसे पढ़ने के लिए झुकना पड़ता है।

अन्य स्थानों पर, यह काफी ऊँचा है क्योंकि जाहिर है कि उनके ऊँचे होने के बाद, क्षमा करें, जब वे बीच में मिले, तो उन्हें फर्श को समतल बनाना पड़ा ताकि पानी यहाँ झरने से बहकर नीचे तालाब तक पहुँच सके। और इसलिए, जब उन्होंने उस स्तर को कम किया, तो जब आप सुरंग के अंत की ओर पहुँचते हैं, तो कुछ स्थानों पर यह 12 से 16 फीट ऊँचा होता है। 1800 के दशक में इस सुरंग की खोज की कहानी एक दिलचस्प कहानी है।

काश मेरे पास आपको बताने का समय होता। जाहिर है, आप जानते हैं, हम अब इस स्थिति से गुज़रते समय टॉर्च लेकर चलते हैं। जो लोग उस समय इस स्थिति से गुज़रे थे, उनके पास ऐसी चीज़ें नहीं थीं।

उनके पास मोमबत्तियाँ थीं जो निश्चित रूप से काफी जल्दी बुझ गईं। और यह गाद से इतना भरा हुआ था, और पानी इतना अधिक था कि कुछ स्थानों पर, जैसा कि आप इन प्रथम-व्यक्ति विवरण कथाओं में पढ़ते हैं, लोगों को अपनी सांस रोकनी पड़ी क्योंकि अगले वायु पॉकेट का इंतजार करना पड़ा क्योंकि इसकी छत कम थी, यह पानी पूरे रास्ते में बह रहा था। और यहाँ वे छोटे-छोटे बोर्ड जैसी चीज़ों पर भी तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।

दिलचस्प कहानियाँ। उन्हें बताने के लिए समय नहीं है। वैसे भी, यही हिजकिय्याह का बचाव है।

ठीक है। हमें आगे बढ़ना होगा। हाँ, मुझे खेद है।

आगे बढ़ो। क्या मैं बस यह पूछ सकता हूँ कि क्या शहर के भीतर कोई जल स्रोत है? क्या यही इसका उद्देश्य है? हाँ, यही इसका उद्देश्य है। जल स्रोत, गिहोन स्प्रिंग, मध्य कांस्य काल की शुरुआत में, जो हमें दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में ले जाता है, झरने की रक्षा करने वाले दो विशाल टॉवर थे।

लेकिन फिर भी, यह स्पष्ट जल स्रोत है। और इसलिए वे इसे लाकर शहर में ले जाएँगे ताकि लोगों को नीचे जाकर पानी न लेना पड़े। आपने एक बढ़िया सवाल पूछा है, और अगर हमारे पास

यरूशलेम पुरातत्व के बारे में बात करने के लिए पूरा एक घंटा होता, तो मैं इस पर और भी बहुत कुछ कर सकता था क्योंकि यहाँ कई चैनल और तालाब हैं जो इससे पहले के हैं।

लेकिन यह विशेष रूप से हिजकिय्याह से बहुत स्पष्ट रूप से है, और यह सामान को दूसरे पूल में ला रहा है जो वास्तव में शहर के अंदर है। लेकिन हाँ, यह बहुत अधिक जटिल है, पूरी ईमानदारी से, जितना मैंने इसे बताया है। तो अच्छा सवाल है।

कुछ भी ले लो। हमारे साथ इजराइल चलो। हम सुरंग से होकर चलेंगे।

ठीक है। किसी भी हालत में, हिजकिय्याह के बाद मनश्शे आता है। यह दिलचस्प बात है, या कई दिलचस्प बातों में से एक है।

क्या आपको हिजकिय्याह की प्रार्थना याद है जब वह बीमार था? और यशायाह ने कहा कि तुम मरने वाले हो। और हिजकिय्याह अपना चेहरा दीवार की ओर घुमाता है, और वह प्रभु से प्रार्थना करता है, और यशायाह वापस आता है और कहता है, तुम्हें 15 और साल मिलेंगे। क्या आपने कभी इस पर गणित लगाया है? मनश्शे का जन्म उन अंतिम 15 वर्षों के दौरान हुआ था क्योंकि जब हिजकिय्याह की मृत्यु हुई, तो मनश्शे राजा बन गया, और जब वह राजा बना तो वह 12 वर्ष का था।

यह दिलचस्प है क्योंकि मनश्शे एक घिनौना राजा है। मनश्शे ने बहुत से निर्दोष लोगों का खून बहाया और दुर्भाग्य से, वह 55 साल तक राज करता रहा। अगर आपके पास अपना पाठ है, तो मैं 2 राजा 21 में जाकर बस एक या दो पल के लिए यह बताने जा रहा हूँ कि हालात कितने भयानक थे।

आप जानते हैं, हमारे पास हर 8 साल में अपने राष्ट्रपतियों को बदलने का आशीर्वाद है। मनश्शे जैसे किसी व्यक्ति के 55 साल के कार्यकाल के बारे में सोचें। उसने प्रभु की नज़र में बुरा किया।

पद 3, ऊंचे स्थानों का पुनर्निर्माण किया। उसके पिता हिजकिय्याह को नष्ट कर दिया गया और उसने यहोवा के मंदिर में वेदियाँ बनवाईं।

और वे भगवान के लिए वेदियाँ नहीं थीं, मेरा विश्वास करो। उन्होंने तारों के लिए वेदियाँ बनाईं और अपने बेटे को आग में बलि चढ़ा दिया।

जादू-टोना करके भविष्यवाणी करता था। श्लोक 7, उसने जो नक्काशीदार अशोरा खंभा बनाया था, उसे मंदिर में रख दिया। मनश्शे ने अपने से पहले के एमोरियों से भी ज़्यादा बुरे काम किए।

तो, यह बस नीचे और नीचे और नीचे और नीचे चला जाता है। श्लोक 16 शायद सबसे बुरा है। मनश्शे ने इतना निर्दोष खून बहाया कि उसने यरूशलेम को एक छोर से दूसरे छोर तक भर दिया।

वैसे, हम यह निश्चित रूप से विहित पाठ से नहीं जानते हैं, लेकिन कुछ अतिरिक्त-विहित साहित्य हैं जो मनश्शे के अधीन यशायाह के शहीद होने का वर्णन करते हैं। वास्तव में, यशायाह को दो टुकड़ों में आरे से काटा गया था। क्या यह आपको किसी चीज़ की याद दिलाता है? शायद नए नियम में? यह यशायाह की शहादत नामक एक पाठ है जहाँ हम यह सब पढ़ते हैं।

यह बताता है कि मनश्शे कितना भयानक था। मनश्शे की प्रार्थना भी इसमें है। लेकिन एक त्वरित चक्कर के लिए, हमारे वफादार लोगों की सूची में, इब्रानियों अध्याय 11 में, हमारे पास एक बहुत ही दिलचस्प कथन है।

हम पहले भी यहाँ आ चुके हैं, है न? हमने न्यायाधीशों के बारे में बात की है, और हमने भविष्यवक्ताओं के बारे में बात की है। भविष्यवक्ताओं का उल्लेख करने के बाद, श्लोक 32 के अंत में, फिर इब्रानियों के लेखक उन लोगों के बारे में बात करते हैं जिन्होंने न्याय किया, जो वादा किया गया था उसे प्राप्त किया, शेरों के मुंह बंद कर दिए, वह दानियेल है, जिसने आग की लपटों को बुझाया, तलवार की धार से बच निकला, जिसकी कमजोरी ताकत में बदल गई, श्लोक 35, महिलाओं ने अपने मृतकों को फिर से जीवित पाया, वह एलिय्याह, एलीशा है। दूसरों को प्रताड़ित किया गया और रिहा होने से इनकार कर दिया, श्लोक 36, कुछ को उपहास और कोड़े का सामना करना पड़ा, जबकि अभी भी दूसरों को जंजीरों में जकड़ कर जेल में डाल दिया गया। वह यिर्मयाह है।

उन्हें पत्थरवाह किया गया। उन्हें आरे से दो टुकड़ों में काटा गया। उन्हें तलवार से मार डाला गया।

तो स्पष्ट रूप से इब्रानियों की पुस्तक के लेखक के मन में यह यहूदी परंपरा है, जो वास्तव में हमारे पास एक पाठ में है, जिसका प्रभाव यह है कि यशायाह का अंत इसी तरह हुआ। यशायाह ने लंबे समय तक भविष्यवाणी की, लेकिन वह हिजकिय्याह के अच्छे शासन के अंत से आगे तक जीवित रहा और फिर मनश्शे के शासन में आतंक का शासन देखा। किसी भी दर पर, जैसा कि मैं आपको बताता हूँ, बहुत ही भयानक रूप से निम्न आध्यात्मिक पतन, निर्दोष रक्त बहाना, यहाँ बस बदसूरत चीजें चल रही हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मैं इस समय 2 इतिहास की ओर वापस जा रहा हूँ, इसलिए मुझे वहाँ पहुँचने के लिए कुछ समय दें। अशूर का राजा उसे बंदी बना लेता है, यह ध्यान में रखते हुए कि अशूर हमेशा एक भयावह शक्ति के रूप में मौजूद रहता है। 2 इतिहास 33 की आयत 11, प्रभु ने उनके विरुद्ध सेनापतियों और अशूर के राजा को भेजा, मनश्शे को बंदी बना लिया, उसकी नाक में एक काँटा डाल दिया, उसे काँसे की बेड़ियों से बाँध दिया, और उसे बेबीलोन ले गया।

अब, यहाँ सबसे बढ़िया हिस्सा है। अगर आपने इसे पढ़ा है, तो मुझे उम्मीद है कि यह आपको सिर्फ बाइबल-भाषा से ज़्यादा लगा होगा, क्योंकि ऐसा होना चाहिए। मनश्शे के संकट में, उसने अपने परमेश्वर यहोवा की कृपा माँगी, और उसने अपने पूर्वजों के परमेश्वर के सामने खुद को बहुत दीन किया ताकि हम इस आदमी के बारे में जो कुछ भी पढ़ चुके हैं, उसके सामने उसे वह मिल सके।

जब उसने उससे प्रार्थना की, तो प्रभु उसकी विनती से द्रवित हो गए और उसकी विनती सुनी, और प्रभु उसे यरूशलेम वापस ले आए, और मनश्शे को पता चला कि प्रभु ही परमेश्वर है। अगर आप आज सुबह अभी तक नहीं जागे हैं, तो कृपया एक मिनट के लिए जागें और सुनें कि मैं आपसे क्या कहना चाहता हूँ। यह संभवतः सबसे महत्वपूर्ण बात है जो आप पूरे सेमेस्टर में सुनने जा रहे हैं क्योंकि अक्सर आप और मैं और आपकी उम्र के लोग और हर कोई कहता है, भगवान मुझे कभी माफ नहीं कर सकते।

मैं बहुत बुरा रहा हूँ। मैंने बहुत कुछ किया है, और यह उसके लिए बहुत दुखद है। मैं खुद को माफ़ नहीं कर सकता।

मुझे यकीन है कि वह मुझे माफ़ नहीं करेगा। आपने यह कहावत सुनी होगी। अगर आपने नहीं कही है, तो मुझे यकीन है कि आप ऐसे लोगों को जानते होंगे जिन्होंने यह कहा है।

मनश्शे को हमें याद रखना चाहिए। वह हमारे आदर्श व्यक्ति हैं जिन्हें हमें याद रखना चाहिए, क्योंकि अगर भगवान मनश्शे को यरूशलेम की सड़कों पर न जाने कितने निर्दोष लोगों का खून बहाने के लिए माफ़ कर सकते हैं, जैसा कि 2 राजाओं में लिखा है, तो मेरी शर्त है कि वह आपको और मुझे उन चीजों के लिए माफ़ कर सकते हैं जो उन्हें वास्तव में नापसंद हैं। और फिर भी अगर हम पश्चाताप करते हैं, तो क्षमा वहाँ है।

और यही मनश्शे से मिली सीख है। फिर से, अगर आपको अब फिर से सोने की ज़रूरत है, तो सो जाइए। लेकिन उस सीख को समझिए।

यह बहुत महत्वपूर्ण है, और इसका प्रभाव न केवल आप पर पड़ेगा, मुझे विश्वास है, बल्कि उन लोगों पर भी पड़ेगा जिनसे आप अपने जीवन के अगले वर्षों में बात कर सकते हैं। किसी भी मामले में, मनश्शे वास्तव में पश्चातापी है। अब, यदि आप सोच रहे हैं, और यदि आपने ध्यान से पढ़ा है, तो आप कहेंगे, हाँ, लेकिन, क्योंकि यह सही है।

2 इतिहास 33:13 वह आयत है जिसे मैंने अभी आपके लिए पढ़ा है। लेकिन अगर हम 2 राजा 24 पर वापस जाते हैं, और मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ ऐसा करें, तो इसके परिणाम होंगे। हाँ, प्रभु मनश्शे को वापस लाता है।

मनश्शे जानता है कि प्रभु ही परमेश्वर है, और वह अपने जीवन के अंतिम कुछ वर्षों में कुछ परिवर्तन करने का प्रयास करता है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन यदि आप अध्याय 24, पद 4 को देखें, और मैं पद 3 से शुरू करूँगा, तो यहूदा के साथ ये घटनाएँ प्रभु के आदेश के अनुसार हुईं, ताकि मनश्शे के पापों और उसके द्वारा किए गए सभी कार्यों, जिसमें निर्दोष लोगों का खून बहाना भी शामिल है, के कारण यहूदा को उसकी उपस्थिति से दूर किया जा सके। क्योंकि उसने यरूशलेम को निर्दोष लोगों के खून से भर दिया था, और प्रभु उसे माफ़ करने को तैयार नहीं था।

ठीक है, और आप सोच रहे होंगे, हाँ, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। मैं सुझाव देने जा रहा हूँ, नहीं, ऐसा नहीं है। प्रभु ने मनश्शे को व्यक्तिगत रूप से माफ़ कर दिया क्योंकि मनश्शे ने पश्चाताप किया था, लेकिन वाचा के परिणाम थे।

ठीक है, वाचा के परिणाम हैं, और इसलिए, यही कारण है कि हम लोगों को निर्वासन में जाना पड़ता है। परमेश्वर क्षमा करता है, लेकिन वह हमेशा जो होता है और जो हम करते हैं उसके परिणामों को नहीं हटाता है। ठीक है, यह मनश्शे की हमारी बुराई है।

हमें यहीं आगे बढ़ते रहना है। कुछ और लोगों को भी आगे जाना है। जोशिया।

जैसा कि आप इस विभाजित राज्य काल के दौरान सोचते हैं, दो प्रमुख सुधारक एक ओर हिजकिय्याह हैं, दूसरी ओर जोशियाह। वे दोनों फसह का उत्सव मनाएंगे। क्यों? फसह एक सुधारित, पश्चातापी, पुनर्जीवित लोगों का उत्सव क्यों है? फसह किसका उत्सव मनाता है? मुक्ति? मुक्ति? बड़ी बात।

परमेश्वर का उद्धार। परमेश्वर का उद्धार। परमेश्वर लोगों को मिस्र के बंधन से मुक्त कर रहा है, इस मामले में, पहले फसह में, लेकिन यहाँ भी पाप के बंधन से।

जोशियाह के साथ घटित होने वाली पहली घटनाओं में से एक दिलचस्प है। मैं राजा अध्याय 22 में रहूँगा।

जब वह राजा बना तो उसकी उम्र आठ साल थी। क्या यह दिलचस्प नहीं है? और फिर यह कहता है, उसके शासन के 18वें वर्ष में, तो आप अपना गणित लगाइए, और वह आप सभी से बस थोड़ा सा बड़ा है। यह बहुत प्रभावशाली है।

वह कहता है, महायाजक हिल्किय्याह के पास जाओ। उससे कहो कि मंदिर में जो पैसा लाया गया है, उसे इकट्ठा कर लो। हम जगह साफ करने जा रहे हैं।

और वे क्या करते हैं? खैर, वे टोरा की किताब ढूँढ़ते हैं - अध्याय 22 की आयत 8। मुझे भगवान के मंदिर में टोरा की किताब मिली है।

दिलचस्प बात यह है कि हिल्किय्याह वह पुजारी है जो इसे पाता है। वे क्या करते हैं? वे इसे हुल्दा नामक किसी व्यक्ति के पास ले जाते हैं।

चलिए पढ़ते रहें। मैं 22:14 में हूँ, पुजारी हिल्किय्याह, भविष्यवक्ता हुल्दा से बात करने गया। वह यरूशलेम के दूसरे जिले में रहती थी, और वह उसके लिए इसका अर्थ बताती है।

वह कहती है, यहाँ क्या हो रहा है। अब आप खुद सोच रहे होंगे कि वे टोरा की किताब कैसे खो सकते हैं? खैर, यह मुश्किल नहीं है अगर आपने देखा है कि मनश्शे 55 साल से वही काम कर रहा है जो वह कर रहा था, और मंदिर उतना ही प्रदूषित और अपवित्र होता जा रहा है जितना कि

वह हो गया था। इसलिए, इसे साफ करने में, यह वह चीज है जिसके अनुसार उन्हें जीना चाहिए था।

उन्हें यह नहीं पता था, और उन्हें इसका अर्थ बताने के लिए भविष्यवक्ता हुल्दा की ज़रूरत थी। वैसे, हुल्दा के बारे में बस एक शब्द। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने इसे यिर्मयाह के पास नहीं ले जाया, जो इस समय एक जीवित, सक्रिय, सांस लेने वाला भविष्यवक्ता है।

ऐसा नहीं है कि आस-पास कोई और भविष्यवक्ता नहीं था, लेकिन वे इसे हुल्दा के पास ले जाते हैं, और वह कहती है, टोरा की अवज्ञा के परिणाम होते हैं। वाचा के लिए उन शापों और आशीषों को पढ़ना। खैर, किसी भी दर पर, योशियाह वास्तव में वाचा को नवीनीकृत करने जा रहा है क्योंकि वह इसके महत्व से बहुत अभिभूत है।

वह महायाजक हिल्कियाह को आदेश देता है कि वह मंदिर से सारा कूड़ा-कचरा हटा दे। और वह न केवल मंदिर को साफ करता है, बल्कि ग्रामीण इलाकों को भी साफ करता है। और अगर हम पद 6 को देखें, तो योशियाह यहूदा के शहरों से सभी याजकों को लाया और गेबा से लेकर बेशेबा तक के ऊँचे स्थानों को अपवित्र कर दिया।

वैसे, यह आपको जो बताता है, वह यह है कि मैं हमेशा भौगोलिक दृष्टि से सोचता हूँ, इसलिए आपको मुझे माफ़ करना होगा। भूगोल बहुत महत्वपूर्ण है। इससे पहले कि हम दान से बेशेबा कहते, याद है? लगभग 20 मिनट पहले? वह तब की बात है जब उत्तरी राज्य अभी भी वहाँ था।

अब, यह गेबा से बेशेबा तक है। गेबा संभवतः यरूशलेम से अधिकतम आठ मील उत्तर में है। इसलिए, हम सिकुड़ गए हैं।

और फिर भी, वे गेबा से लेकर बेशेबा तक के ऊँचे स्थानों को अपवित्र कर रहे हैं। उसने बेन हिन्नोम की घाटी में टोपेथ को अपवित्र किया, जहाँ वे आग के माध्यम से बच्चों की बलि चढ़ाते थे, बच्चों को मोलेक की आग में डालते थे। और फिर, काफी दिलचस्प बात यह है कि, यहाँ तक कि बेतेल की वेदी, पद 15, नबात के बेटे यारोबाम द्वारा बनाया गया ऊँचा स्थान, जिसने इस्राएल को पाप करने के लिए प्रेरित किया, यहाँ तक कि उस वेदी और ऊँचे स्थान को भी उसने ध्वस्त कर दिया।

अब, यहाँ दिलचस्प बात है। श्लोक 16, योशियाह ने चारों ओर देखा, और जब उसने पहाड़ी पर कब्रें देखीं, तो उसने उनमें से हड्डियाँ निकलवाई और प्रभु के वचन के अनुसार वेदी पर जला दीं। क्या आपको इस श्लोक को पढ़ने से पहले कुछ याद है? राज्य में विभाजन और राज्य में विभाजन के ठीक बाद हुई किसी घटना की कोई अस्पष्ट याद? मैं आपकी यादें ताज़ा कर दूँगा।

यह क्विज़ के संदर्भ में एक छोटा सा संकेत है। माफ़ करें, यह टेस्ट शुक्रवार से एक हफ़्ते बाद होने वाला है। मुझे लगता है कि यही तारीख है।

जब राज्य का विभाजन हुआ, तो नबात के बेटे यारोबाम ने झूठी पूजा शुरू कर दी। याद है? एक वेदी, वह खुद बलि चढ़ा रहा था। पुजारी जो लेवी नहीं हैं, वे ऐसा कर रहे हैं।

यह सातवें महीने के त्योहार के बजाय आठवें महीने का त्योहार है। मूल रूप से, यह लोगों को पूजा के संदर्भ में जो करने के लिए कहा गया है, उसकी एक पैरोडी है, जिसमें बहुत अधिक सच्चाई नहीं है। यहूदा से परमेश्वर का एक आदमी, अनाम भविष्यवक्ता, बेथेल आता है और वह इसके खिलाफ एक घोषणा करता है।

क्या तुम्हें याद है? वह कहता है, हे वेदी, दाऊद के घराने का योशियाह नाम का एक आदमी इन पुजारियों की हड्डियाँ जलाने जा रहा है। हमने इसे 1 राजा 12 में पढ़ा, या यह 11 था, या यह 13 था? मुझे अपने अध्याय कभी याद नहीं आते। मुझे लगता है कि यह 13 है।

किसी भी दर पर, आप इसे हटा सकते हैं, टेड, मैंने इसके बारे में सुना है। वापस जाकर इसकी समीक्षा करें, क्योंकि अब आप देख रहे हैं कि लगभग 300 और कुछ साल बाद वास्तव में यही हो रहा है, और 2 किंग्स इस पूरी प्रक्रिया का संदर्भ दे रहा है। अब, हमें सही दिशा में आगे बढ़ना होगा।

मंदिर, यरूशलेम, भूमि को शुद्ध करता है, बेथेल में की गई भविष्यवाणी को पूरा करता है, और वह फसह मनाता है, जैसा कि मैंने कहा, छुटकारे, पुनर्स्थापना, पाप से मुक्ति का जश्न मनाते हुए, फसह के गहन आध्यात्मिक महत्व को पहचानते हुए, योशिया फसह मनाएगा, और यह मूल रूप से कहता है कि इससे पहले कभी भी इस तरह से फसह नहीं मनाया गया था। यह एक बहुत ही गहरा पुनरुद्धार था। इसलिए, लंबे समय में, हमारे पास अध्याय 23 की आयत 25 है: न तो योशिया से पहले और न ही उसके बाद कोई ऐसा राजा था जिसने अपने पूरे दिल, अपनी पूरी आत्मा, अपनी पूरी ताकत से प्रभु को बदल दिया।

क्या यह व्यवस्थाविवरण जैसा लगता है? तुम्हें अपने परमेश्वर यहोवा से अपने पूरे दिल, अपनी पूरी आत्मा, अपनी पूरी ताकत से प्यार करना चाहिए। योशियाह उसी पैटर्न का अनुसरण करता है। वह फिरौन नेको के हाथों मर जाता है, दुखद रूप से, और फिर हमारे पास यहूदा के अंतिम राजा हैं।

जैसा कि मैंने आपको पहले पढ़ा था, वाचा के अनुसार योशियाह के बाद बहुत तेजी से अवरोहण हुआ। लोग इतने लंबे समय से अवज्ञाकारी थे, परमेश्वर अपनी वाचा रखता है, और वह उन्हें निर्वासन में ले जाएगा। यहोआहाज, यहोयाकीम और बेबीलोन कई अलग-अलग तरंगों में आक्रमण करेंगे, और जब हम विभिन्न भविष्यवक्ताओं, विशेष रूप से यिर्मयाह और यहजकेल के बारे में बात करना शुरू करेंगे, तो मैं इनकी समीक्षा करने जा रहा हूँ।

बेबीलोन द्वारा पहला आक्रमण, 597. यहोयाकीम नाम का एक आदमी कुछ समय के लिए राजा बन जाता है, और वैसे, बेबीलोन अब कठपुतली राजाओं की स्थापना कर रहा है। ये असली स्वतंत्र राजा नहीं हैं।

वे पहले मिस्र द्वारा, फिर बेबीलोन द्वारा स्थापित कठपुतलियाँ हैं। सिदकियाह, और अंत में, आपके पास नबूकदनेस्सर आता है, मंदिर को नष्ट करता है, उन्हें बेबीलोन में निर्वासित कर दिया जाता है, और एक आखिरी बात जो हमें पढ़ने की ज़रूरत है, और फिर मैं आपको दिन के लिए

जाने दूँगा। 2 इतिहास के अंत में, ये अंतिम राजा एक अध्याय, अध्याय 36, 2 इतिहास में संक्षिप्त हैं, बस इतना ही।

और फिर यह कहता है, भूमि को विश्राम मिला। अध्याय 36, श्लोक 21, भूमि ने अपने सब्त के विश्राम का आनंद लिया, अपने उजाड़ के सभी समय में उसने विश्राम किया जब तक कि 70 वर्ष पूरे नहीं हो गए, जो कि यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता द्वारा कहे गए प्रभु के वचन की पूर्ति थी, जिसे हम अगले सप्ताह देखने जा रहे हैं। ठीक है, रुकने का समय आ गया है।

शुक्रवार को मिलते हैं जब हम सम्पूर्ण विचार, भविष्यद्वक्ताओं, भविष्यवाणी, भविष्यद्वक्तावाद की अवधारणा पर चर्चा करेंगे।